the following five cotton textile mills were lying closed in West Bengal as at the end of March, 1970:—

Name of the mill	Date of Closure
1. Sodepore Cotton Mills Ltd., Sodepore	12-12-65
2. The Bangasri Cotton Mills Ltd., Sodepore	10-10-66
3. Arati Cotton Mills Ltd., Dassnagar, Howrah	17-6-68
4. The Bengal Laxmi Cotton Mills Ltd., Calcutta	14-7-69
5. The Mohini Mills Ltd., No. 2, Belgharia	15-10-69

(c) No criteria have been laid down so far to determine whether a mill is sick, not.

(d) The cases of three mills are pending in the High Court in respect of their liquidation etc., while the cases of the remaining mills are being looked into, in consultation with the Government of West Bengal and the Textile Commissioner.

दक्षिण वियतनाम से विदेशी सेना को हटाने के बारे में नेशनल लिबरेशन फ्रंट के नेता से प्रधान मंत्री की वार्ता

8759. **श्री ओमप्रकाश त्यागी** : क्या **वैदेशिक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दक्षिण वियतनाम नेशनल लिबरेशन फ्रंट द्वारा 12 जनवरी, 1970 को हांग कांग के एक समाचार-पत्र में प्रकाशित किए गए इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि फ्रंट के प्रतिनिधि मंडल के नेता के साथ हुई वार्ता में भारत के प्रधान मंत्री ने नेशनल लिबरेशन फ्रंट के संघर्ष की सराहना की थी और दक्षिण वियतनाम के विदेशी सैनिकों को हटाये जाने का समर्थन किया था;

(ख) क्या उक्त फ्रंट का समर्थन करना दक्षिण वियतनाम के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के समान नहीं है; और

(ग) क्या दक्षिण वियतनाम से विदेशी सैनिकों को हटाए जाने के बारे में उनका सुझाव केवल अमरीकी सैनिकों अथवा दोनों अमरीकी तथा उत्तर वियतनामी सैनिकों के संबंध में है ?

वैदेशिक-व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) सरकार ने यह खबर अखबार में नहीं देखी है। लेकिन, भारत की प्रधान मंत्री ने श्री वान तियन के साथ बातचीत में कहा था कि भारत की यह नीति सदा अटल और दृढ़ रही है कि वियतनामी जनता को अपने भविष्य का निर्णय अपने आप बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के करने देना चाहिए; और उन्होंने यह भी कहा कि जबर्दस्त कठिनाइयों के बावजूद वियतनाम के लोग इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो वीरतापूर्ण संघर्ष कर रहे हैं, उसकी सराहना करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। प्रधान मंत्री ने यह भी कहा था कि भारत दूसरे देशों में विदेशी सेना से काम लेने के विरुद्ध है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) प्रधान मंत्री के वक्तव्य में सभी विदेशी सैनिक आते हैं।

सेना मुख्यालय में अंग्रेजी का प्रयोग

8760. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेना मुख्यालय में अंग्रेजी के प्रयोग को बहुत महत्व दिया जाता है और यदि छोटे दर्जे का कोई कर्मचारी अपने विचार अंग्रेजी में व्यक्त नहीं कर सकता तो इसके कारण उसे चेतावनी दी जाती है ;

(ख) यदि हां, तो 1969 तथा 1970 (30 मार्च तक) में ऐसी चेतावनी कितने कर्मचारियों को दी गई; और

(ग) क्या ऐसे आदेश जारी करने का कोई प्रस्ताव है कि अंग्रेजी में अपने विचार

व्यक्त करने में उनकी असमर्थता के आधार पर नीचे के दर्जे के कर्मचारियों को अदक्ष नहीं समझा जायेगा ?

प्रतिरक्षा और इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) और (ख). क्योंकि सेना मुख्यालयों में काम अंग्रेजी में होता है, सेना मुख्यालयों में काम करने वाले व्यक्तियों से अंग्रेजी में युक्तियुक्त दक्षता प्रत्याशित है । टिप्पण और मसौदे तैयार करने में कुशलता संबंधी तथा 'स्पष्टता, अर्थग्रहण और सोचने में मौलिकता तथा अभिव्यक्ति' संबंधी कैफियतें उन कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों में देना पड़ता है । गोपनीय रिपोर्टों में दी गई किसी प्रकार की प्रतिकूल कैफियत से अफसरों को सूचित कर दिया जाता है । अंग्रेजी की जानकारी के अभाव संबंधी कैफियत 1969-70 में एक मामले में सूचित की गई थी । इसे चेतावनी नहीं समझा जाता ।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । किसी कर्मचारी की दक्षता या अदक्षता का निर्णय उसके समस्त कृत्य के आधार पर किया जाता है, न कि उसके कृत्य के केवल एक ही पहलू के आधार पर ।

भारतीय युवतियों का दासियों के रूप में व्यापार

8761. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान मासिक पत्रिका 'मदर इंडिया' के जनवरी, 1970 के अंक में "भारतीय युवतियों का दासी के रूप में व्यापार" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित हुए एक लेख की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार पाकिस्तान सरकार का ध्यान नेहरू लियाकत करार के उपबन्धों की ओर दिलाने तथा पाकिस्तान में रह रही हिन्दू महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यवाही करने का है ;

(ग) क्या सरकार का विचार विमानों तथा जहाजों की पूरी तलाशी लेने तथा विदेशियों द्वारा भारतीय युवतियों के प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने पर रोक लगाने का है; और

(घ) क्या सरकार का विचार पाकिस्तान तथा सऊदी अरब के कांसुलों से अनुरोध करने का है कि वे उस व्यक्ति का पूरा ब्यौरा दिया करें जिसे वे विदेश भेजते हैं ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) से (घ). हम इस लेख की सच्चाई का, अथवा अन्यथा जो भी स्थिति हो, पक्का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं ।

LT. COLONELS ON WAITING LIST FOR EMPLOYMENT WITH DIRECTOR GENERAL OF RESETTLEMENT

8762. SHRI SHARDA NAND: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the number of Lt. Colonels of less than 48 years of age on the waiting list for employment with the Director-General of Resettlement;

(b) how many of them are proposed to be given employment or resettled in the Central Reserve Police, Border Security Force, Special Frontier Force and Central Industrial Force;

(c) whether their is any proposal to give them employment in the public or private undertakings; and

(d) the date by which they would be given this employment ?

THE MINISTER OF DEFENCE AND STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI SWARAN SINGH): (a) Ten.

(b) Out of ten, 2 belong to low medical category and 2 to Technical arms. They are not normally considered for employment in the Police and para military forces.